

द्वैलपत्राक्ष

11/10

आज यह पत्रावली के मा सिद्ध (आपने) में  
पत्र हकी शाहीवादी ने शा.पत्रा प्रस्ताव किया।  
बाकी शाही अपने वरद को आगे नहीं चलाया  
चुधता है वरद पत्रा को बिदेशा म(ग-चुधता)  
है वरदी शाही का शा.पत्रा स्वी माल किया जाता  
है वरदी का वरद बिदेशा किया जाता है।  
पत्रावली संग्राम युद्ध की जाती है नभरद से  
कम होकर वरद व कपी न दाखिल दल (म)  
जावे। शेष के मा सिद्ध में सुमपु गाय

उपखण्ड अधिकारी  
कोटकासिम (अलवर)